Need to set up a Maurya Regiment in Army - laid

डॉ. संघमित्रा मौर्य (बदायूं): दुनिया के इतिहास में कई राजा महाराजा, नवाब, प्रिंस और सम्राट हुए, खुद को नायक बताते रहे। वह कुछ समय के लिए चमके भी, पर जल्द ही गायब भी होते गए। गायब ही नहीं बल्कि इतिहास से लुप्त हो गए। लेकिन सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य व सम्राट अशोक महान की चमक आज भी फीकी नहीं पड़ी है। वह आज भी एक ध्रुवतारे की तरह चमकदार बने हुए हैं। दुनियाभर में उन्हें दो वजहों से जाना जाता है। पहला - कलिंग युद्ध के लिए और दूसरा - भारत सहित दुनियाभर में बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए। कहते हैं कि जिस समाज का अपना कोई इतिहास नहीं होता उसे दुनिया भूल जाती है, हम तो वो हैं जो आज भारत से बाहर जाते हैं तो कहते हैं कि हम बुद्ध की धरती से भारत आए हैं। हमारे समाज का गौरवशाली अध्याय ही नहीं अपितु शौर्यपूर्ण इतिहास भी रहा है जो सिर्फ़ किताबों और ग्रंथों में ही नहीं बल्कि लोगों के दिलों - दिमाग़ में भी स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। हमारे युवाओं में आज भी भारत को अखण्ड बनाने का जज्बा है। पूरा विश्व जिसके साहस, वीरता और अखण्डता का लोहा मानता है उसके नाम से कोई रेजिमेंट नहीं है। जबकि देश में भिन्न-भिन्न जातियों को मिलाकर 31 रेजीमेंट है। कहते हैं जो जीता वही सिकन्दर आगे का नहीं बोला जाता जबकि पूरा है जो जीता वही सिकन्दर और जिसने सिकन्दर को भी जीता वह है मौर्य। अतः मै सरकार से मौर्य रेजीमेंट बनाने की मांग करती हूं।